

केन्द्रीय विद्यालय संगठन में शिक्षकों के रिक्त पद

*282. श्री जय नारायण प्रसाद निषाद:††

श्री घनश्याम चन्द्र खरवार:

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय विद्यालय संगठन में शिक्षकों के कई पद रिक्त हैं;

(ख) यदि हां, तो 30 जून, 2004 की स्थिति के अनुसार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) उक्त रिक्त पदों को कब तक भरे जाने की संभावना है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह): (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) और (ख) केन्द्रीय विद्यालयों में 30 जून, 2004 तक की स्थिति के अनुसार शिक्षकों के रिक्त पद इस प्रकार हैं:-

क्र. सं.	पद	रिक्तियों की संख्या
1	स्नातकोत्तर शिक्षक	509
2	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	1079
3	प्राथमिक शिक्षक	1026
4	प्रधानाध्यापक	185
5	विविध श्रेणियां	371
कुल :		3170

(ग) रिक्तियों का होना और उन्हें भरा जाना एक सतत् प्रक्रिया है। शिक्षकों के रिक्त पदों को प्रथमतः आवश्यकता से अधिक शिक्षकों में से भरा जाता है और इसके बाद संबंधित भर्ती नियमों के तहत यथा-निर्धारित पदोन्नति और/अथवा सीधी भर्ती द्वारा भरा जाता है। वर्तमान सत्र 2004-05 के लिए विभिन्न स्तरों पर शिक्षकों के पैनल बना लिये गए हैं; वार्षिक स्थानान्तरण किए जाने के तत्काल बाद शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। शेष रिक्तियों को संविदा के आधार पर नियुक्तियों द्वारा भरा जाएगा।

†† सभा में यह प्रश्न श्री जय नारायण प्रसाद निषाद द्वारा पूछा गया।

Vacancies of teachers in KVS

†*282. SHRI JAI NARAIN PRASAD NISHAD:††
SHRI GHANSHYAM CHANDRA BHARWAR:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that several posts of teachers are lying vacant in Kendriya Vidyalaya Sangathan;

(b) if so, the details thereof as on the 30th June, 2004; and

(c) by when the above vacancies are likely to be filled up?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) and (b) The vacant posts of the teachers in Kendriya Vidyalayas as on 30th June 2004 are as follows:—

Sl. No.	Post	No. of Vacancies
1.	Post Graduate Teachers (PGTs)	509
2.	Trained Graduate Teachers (TGTs)	1079
3.	Primary Teachers (PRTs)	1026
4.	Head Master (HM)	185
5.	Misc. Categories	371
TOTAL :		3170

(c) The occurrence and filling up of the vacancies is a continuous process. The vacancies of the teachers are first filled up from among the surplus teachers, then by promotion and/or direct-recruitments as prescribed under the relevant recruitment rules. For the current session 2004-05, panels of teachers at different levels have been prepared; the teachers will be appointed soon after the annual transfer are made. The remaining vacancies would be filled up by contractual appointments.

† Original notice of the question was received in Hindi

† The question was actually asked on the floor of the house by Shri Jai Narain Prasad Nishad.

श्री जय नारायण प्रसाद निषाद: सभापति जी, माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में स्पष्ट किया है कि प्रशिक्षित स्नातक एवं प्राथमिक शिक्षकों की रिक्तियां सर्वाधिक हैं। मैं माननीय मंत्री जी से आपके माध्यम से सीधा सवाल करना चाहता हूँ कि प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की नियुक्ति प्रोन्नति से नहीं होती है और ना ही विविध श्रेणियों की नियुक्ति प्रोन्नति से होती है। प्रशिक्षित स्नातक एवं प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्तियां कब तक की जायेंगी? कृपया मंत्री जी इसके बारे में जानकारी दें।

श्री अर्जुन सिंह: आदरणीय सभापति महोदय, जो रिक्तियां हैं, उनकी संख्या 3170 बताई है। उनमें से 2382 स्थानों पर कक्षा शुरू होने के समय से ट्रेड टीचर्स कांट्रेक्ट पर पढ़ा रहे हैं। जहां तक सवाल है कि पूरी नियुक्तियां कब तक हो सकेंगी, इसके बारे में मेरा ख्याल है कि ट्रांसफर, पोस्टिंग वगैरह हो जायेंगी तो सितम्बर के अंत तक यह कमी पूरी कर ली जायेगी।

श्री जय नारायण प्रसाद निषाद: सभापति महोदय, मंत्री जी ने अपने उत्तर में यह भी कहा है कि आवश्यकता से अधिक शिक्षकों से भी सामंजस्य किया जायेगा। मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूँ कि आवश्यकता से अधिक शिक्षक कितने हैं, कहाँ-कहाँ हैं तथा आवश्यकता से अधिक होने का कारण क्या है?

SHRI ARJUN SINGH: Mr. Chairman, Sir, I would like to have a separate notice for this question.

SHRI BALBIR K. PUNJ: Sir, the hon. Minister has not answered this question. (Interruptions).

श्री सभापति: श्री घनश्याम चन्द्र खरवार। ..(व्यवधान) ..

श्रीमती सविता शारदा: सर, यह बहुत महत्वपूर्ण क्वेश्चन है। ..(व्यवधान) ..

श्री सभापति: मैंने माननीय सदस्य श्री घनश्याम चन्द्र खरवार का नाम लिया है। ..(व्यवधान) .. आप क्वेश्चन कर लेना। मैं मना नहीं कर रहा हूँ। ..(व्यवधान) .. आप क्वेश्चन कर लेना। ..(व्यवधान) .. आप क्वेश्चन कर लेना। ..(व्यवधान) .. श्री घनश्याम चन्द्र खरवार नहीं हैं। ..(व्यवधान) .. श्री बी० जे० पंडा। ..(व्यवधान) ..

SHRI BALBIR K. PUNJ: Sir, you have to protect us. The hon. Minister has not answered this question.

श्री सभापति: मैं आपको अलाऊ करूंगा। आप बैठ जाइये। ..(व्यवधान) .. आप बैठिये तो सही। मैं आपको अलाऊ करूंगा।

SHRI B.J. PANDA: Mr. Chairman, Sir, the hon. Minister has given figures for the current vacancies that exist. In this year's Budget, a new surcharge has been added to improve the facilities for primary and secondary education. Will the Minister inform us of the number of posts of teachers that will be added on as a result of this funding during the current year?

SHRI ARJUN SINGH: Although this tax has been levied, we are not aware as to what will be the allocation under that for the Department. But the effort of the Department is to provide teachers for all the schools and in the process, we will see that there is no school without a teacher. The question at this moment is about schools having no teachers. The presumption was, there were no teachers to teach. The fact is, when the session started, against 3170 vacancies, 2382 contractual teachers are teaching.

SHRI BALBIR K. PUNJ: Sir, there are two questions. One question was put by Shri Panda and the other was put by Captain Jai Narain Prasad Nishad. The question is: What is the number of vacancies and how they are going to be filled up?

Secondly, from this surcharge of 2 per cent, what sort of financial allocation is being made available to the Ministry? And, what is the number of additional teachers that can be appointed because of the additional funding available?

SHRI ARJUN SINGH: Sir, I think, I have made myself quite clear.....

श्री सभापति: उनका क्वेश्चन तो ठीक ही है।

श्री अर्जुन सिंह: क्वेश्चन तो ठीक है।

श्री सभापति: आपकी मदद कर रहे हैं कि आपको सैस में से कितना रुपया मिलेगा।
...(व्यवधान)...

श्री अर्जुन सिंह: कितना मिलेगा, वह घोषणा मैं तो नहीं कर सकता। यह तो प्लानिंग कमीशन तय करेगा।

SHRI BALBIR K. PUNJ: At least he can tell us how much additional resources the Education Ministry has asked from the Planning Commission or from the Finance Ministry so as to improve the availability of teachers in the schools(Interruptions)...

श्री संजय निरुपम: आरएसएस के भूत से फुरसत मिले तब तो करेंगे।

श्री अर्जुन सिंह: आपकी सेवा में लगूं?

श्री संजय निरुपम: थोड़ा-सा सेंट्रल स्कूल्स की तरफ भी ध्यान दो। (व्यवधान)...

श्री रवि शंकर प्रसाद: शैक्षिक राजनीति हो रही है।

SHRI ARJUN SINGH: Sir, the amount that will be allocated to us will be decided by the Finance Ministry and the Planning Commission. We have told them that according to the programme, we would require approximately Rs. 2,800 crores.

श्री सभापति: नेक्स्ट क्वेश्चन। श्रीमती वंगा गीता। आप बैठ जाइए। एक भी अलाऊ नहीं करूंगा। ... (व्यवधान) ... बाकी क्वेश्चंस भी हैं। एक भी अलाऊ नहीं करूंगा। ... (व्यवधान) .. श्रीमती वंगा गीता। ... (व्यवधान) ... जवाब दीजिए। वंगा गीता के प्रश्न का जवाब कौन दे रहा है? ... (व्यवधान) ... आप जवाब दीजिए। ... (व्यवधान) ... सभापति महोदय बहरे नहीं हैं। आपकी आवाज मैं सुन रहा हूँ। दूसरा प्रश्न ले लिया है, कृपया अब आप बैठ जाएं ... (व्यवधान) .. जवाब नहीं आया है तो जवाब लेने का दूसरा तरीका भी है। ... (व्यवधान) ... जवाब नहीं आया है तो हाफ एन ऑवर का प्रोवीज़न है, वह दे दीजिए।

Destitute youths and children

*283. SHRIMATI VANGA GEETHA: Will the Minister of SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there are more than four lakh destitute youths and children who are roaming on Delhi roads alone;

(b) whether 60 per cent of them are in the clutches of 'Evil' elements; and

(c) if so, the measures proposed to be taken for rescue, shelter and rehabilitation of such destitutes?

THE MINISTER OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT (SHRIMATI MEIRA KUMAR): (a) and (b) There is no authentic data to indicate the number of destitute children and youth in Delhi or their links with organizations involved in criminal activity since this is a floating population with highly fluctuating numbers.

(c) The Department of Social Welfare, Government of NCT of Delhi provides facilities for shelter and rehabilitation to street children through 11 homes set up under the Juvenile Justice (Care and Protection of